खबर संक्षेप

वनवासी विकास परिषद की बैठक सम्पन्न

मण्डला। वनवासी विकास परिषद महाकौशल जिला ईकाई मंडला की त्रै-वार्षिक कार्ययोजना को लेकर जिला समिति की बैठक आयोजित की गई। योजना प्रमुख तारा मार्को ने वनवासी विकास परिषद महाकौशल के बारे में विस्तार से बताते हुए कार्य योजना पर संवाद किया। वहीं सचिव डॉ मुकेश तिलगाम ने बैठक में संगठन कार्य विस्तार सहित अन्य बिन्दुओं से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। वहीं अध्यक्ष कैलाश डेहरिया ने जिला समिति के विस्तार एवं आगामी समय पर किए जाने वाली कार्य योजना एवं एकलव्य बालक छात्रावास के विकास कार्य संबंधी एजेंडा से अवगत कराया। बैठक के पूर्व भारत माता के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वालित किया गया एवं गीत के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला समिति के विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं पर अपनी सहमति व्यक्त की। इस दौरान जिला संगठन मंत्री राजू कुड़ापे, संरक्षक किशोरी लाल साहू, जगत मरावी, श्रीमति रजनी मरावी, श्रीमति उमा यादव, जिला महिला प्रमुख जैनकली मरावी, नीरज अग्रवाल, अनिल मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक समापन पर नगर परिषद भुआ बिछिया की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमति रजनी मरावी का पुष्पमाला से स्वागत भी किया गया।

कलेक्टर ने प्रतिमा विसर्जन कुण्ड पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

मण्डला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा शनिवार की रात में नगर के महाराजपुर संगम क्षेत्र तथा नावघाट में अचानक पहुंचे। यहाँ उन्होंने नगर पालिका परिषद द्वारा बनाये गये कृत्रिम भगवान गणेश प्रतिमा विसर्जन कुण्ड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने दोनों स्थानों पर मौजूद नगर पालिका परिषद स्टाफ और पुलिस अधिकारियों से प्रतिमा विसर्जन के विषय में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विसर्जन स्थल पर आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिये तथा आमजन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार मण्डला श्री हिमांशु भलावी, सीएमओ नगर पालिका परिषद श्री गजानन नाफड़े सहित संबंधित उपस्थित रहे।

विधायकों की तनख्वाह बढ़ाने की तैयारी, लेकिन जनता के असली सेवक अब भी उपेक्षित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश में विधायकों के वेतन और भत्तों में भारी बढ़ोतरी की तैयारी ने एक बार फिर सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा सदस्य समिति ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि विधायकों का वेतन और भत्ता 45 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो एक विधायक की मासिक सैलरी लगभग 1.60 लाख तक पहुंच जाएगी। साथ ही पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया है। भारतीय गणवार्ता (भगवा पार्टी) के अनूपपुर जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल मिश्रा ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि "जनप्रतिनिधियों को उनके कार्य और दायित्व के अनुरूप उचित वेतन मिलना चाहिए, इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

नारायणगंज के बलाई पुल के पास ट्रक से एक युवक की मौत

नारायणगंज।

नारायणगंज जनपद पंचायत नारायणगंज के पास में नेशनल हाईवे रोड 30 पर वाले पुल के पास ट्रक ने एक युवक के ऊपर गाड़ी चढ़ाने के कारण उसकी तत्काल स्पॉट में मौत हो गई रात्रि 8रू00 बजे की यह घटना जो की बाली पर में ट्रक क्रमांक त्श्र 11 ै ब 6400 रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहा था ट्रक ड्राइवर देवी सिंह यादव छतरपुर निवासी द्वारा नारायणगंज के दुकान को बंद करके रोहित पटेल पिता विनोद पटेल उम्र 31 वर्ष ग्राम खैरी जा रहा था पैदल ट्रक वाले ने आकर उसके ऊपर गाड़ी चढ़ाने से गाड़ी पुल की रेलिंग तोड़कर वृक्ष के किनारे जा टकराई युवक के कई टुकड़े हो गए लोगों ने जाकर ट्राई ड्राइवर को ट्रक से निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य के नारायणगंज लाकर भर्ती कराया गया वहां के युवाओं को यह मालूम नहीं था कि उनके गांव के युवक को ट्रक ने कुचलकर रख दिया जैसे ही उन लोगों को पता चला उन्होंने अस्पताल में जाकर घेराव किया ट्रक जिससे वहां के युवक द्वारा द्वारा मारपीट की घटना हुई जिससे गांव के लोगों ने आकर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र का घिराव किया मौके में पुलिस वहां पहुंची घटना को देखते हुए बाहर से भी पुलिस बल बुलवाया गया आए दिन नेशनल हाईवे 30 पर घटना होती है वहां पर पुल की स्थिति इस तरह हो गई है कि बड़े.बड़े गड्ढे होने के कारण लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है इसके पहले भी पुल की रेलिंग तोड़कर एक ट्रक जा गिरा जिससे ड्राइवर की मृत्यु हो गई शासन द्वारा किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है जिससे लोगों को पुल से गुजरने पर डर लग रहा लगा रहता है और इस तरह की घटना घट जाती है।

मृतक के परिजनों एवं गांव वालों ने समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज जाकर मांग की न लगातार हो रही सड़क दुर्घटना एवं समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में पदस्थ बीएमओ के हटाने एवं समुदाय स्वास्थ्य केंद्र में चल रही अनीयताओं के संबंध में ज्ञापन में कहा कि एन एच 30 जबलपुर मंडला मार्ग में तहसील नारायणगंज थाना टिकरिया के अंतर्गत स्थित ग्राम खैरी में बलाई पुल जिसकी विगत कई महीनो से जर्जर स्थिति बनी हुई है जिसमें गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं गड्ढे होने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं विगत 6 माह के भीतर वाले पुल के में सड़क दुर्घटना हुई है जिसमें प्रत्येक दुर्घटना में जनहानि हुई है वर्तमान में घटना दिनांक 6ध्9 ध्2025 शाम 7रू00 से 8रू00 के बीच में हुई है जिसमें बलाई पुल ग्राम खैरी में सड़क दुर्घटना के कारण ग्राम खैरी निवासी रोहित पटेल पिता विनोद पटेल की मृत्यु हो गई एन एच 30 में सड़क एवं पुल के जर्जर कम चौड़ाई होने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है जिसमें जनधन की हानि हो रही है।

उक्त पुल के ऐसे पैदल चलना मुश्किल हो चुका है सड़क एवं पुल की मरम्मत न होने के कारण आए दिन दुर्घटना हो रही है जिस कारण क्षेत्रीय जनता में जन आक्रोश की स्थिति बनी हुई है स्थित दिनांक 6ध्9 ध्2025 को शाम 7 से 8 के बीच हुई सड़क दुर्घटना में ग्राम खैरी निवासी रोहित पटेल पिता विनोद पटेल की घटना स्थल पर मृत्यु के पश्चात घटनास्थल में उपस्थित ग्राम वासियों के एवं अन्य सहयोगों के साथ मिलकर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में ले जाने पर मृतक के परिजनों एवं अन्य सहयोगों को अस्पताल परिसर के भीतर नहीं जाने दिया गया अस्पताल परिसर पर उपस्थित राजू अग्रवाल भूरा निवासी नारायणगंज के द्वारा मृतक के परिजनों एवं सहयोगों के साथ अस्पताल के अंदर जाने से मना किया गया एवं गंदी.गंदी गाली गलौज दी गई एवं लात घुसने से मारपीट की गई अभद्र पूर्वक व्यवहार किया गया जिससे मृतक के परिजनों एवं अन्य सहयोगी के साथ ही क्षेत्र के समस्त जनता को इस अप्रिय घटना की जानकारी होने पर सभी क्षेत्रीय जन समुदाय में आक्रोश की स्थिति बनी हुई है जिससे संपूर्ण छेत्री जन समुदाय आंदोलन करने में उतारू है समुदाय स्वास्थ्य नारायणगंज के विगत कई सालों से ऐसी अप्रिय घटनाएं घटती चली आ रही है जिसका मुख्य कारण है समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में विगत 15 वर्षों से अधिक समय पदस्थ डॉक्टर अमृत सिंह कोल जो समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में विकासखंड चिकित्सा अधिकारी बीएमओ के पद पर सदस्य है साथ ही बीएमओ के द्वारा राजू अग्रवाल भूरा को जानबूझकर अपनी पदस्थ अवधि से लेकर वर्तमान तक समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज विभाग में अधिकृत रूप से स्वास्थ्य विभाग में वाहन लगाने चलाने जैसेकार्य के लिए रखा गया है जबकि बीएमओ नारायणगंज उक्त व्यक्ति के हरकत आज तक एवं गंदे व्यवहार से परिचित हैं इसके बावजूद भी अपने संरक्षण में उक्त विवादित व्यक्ति को रखा गया है जिसके कारण आए दिन अस्पताल परिसर में विवाद की स्थिति बनी रहती है समुदाय स्वास्थ्य के नारायणगंज में पदस्थ बीएमओ विगत कई वर्षों से पदस्थ होने के कारण अपने मनमर्जी से किसी भी व्यक्ति को अधिकृत कर स्वास्थ्य विभाग में किसी भी बहाने सेवाएं देने के लिए के संबंध में जोड़ दिया जाता है जिससे ऐसे व्यक्तियों के द्वारा आए दिन अस्पताल में आने जाने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ मारपीट अवधारणा व्यवहार किया जाता है बीएमओ नारायणगंज के द्वारा राजू अग्रवाल भूरा जैसे व्यक्तियों को संरक्षण देते हुए अस्पताल परिसर के बाहर शासकीय पदार्थ एवं अन्य सामग्री का भी दुरुपयोग करते हुए अधिकृत रूप से शॉर्ट टपरा दुकान रूपी ठेला बनवाया रखा गया है जिसमें राजू अग्रवाल भूरा द्वारा प्रतिदिन अंडा दारू मुर्गा की पार्टी की जाती है एवं शराबियों का जमावड़ा वहां रहता है जिससे मरीज एवं उनके परिजनों के साथ विवाद की स्थिति निर्मित होती है जिसकी संपूर्ण जानकारी बीएमओ को नारायणगंज को रहती है किंतु स्वयं का संरक्षण होने के कारण उक्त व्यक्ति के विरुद्ध किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जाती जिससे उक्त व्यक्ति के हौसले बुलंद हो चुके हैं बीएमओ नारायणगंज के द्वारा संभी अस्पताल परिसर में समस्त स्टाफ के साथ एवं अन्य बाहर के सामाजिक तत्वों के साथ मिलकर डीजे लगवा कर फिल्मी गानों के साथ 31 दिसंबर जैसी स्थिति पूर्ण रात्रि कालीन डांस पार्टी दारू मछली मुर्गा की पार्टी की जाती है सामुदायिक स्वास्थ्य नारायणगंज में विगत कई वर्षों से नियमों के पद में पदस्थ होने के कारण अपनी मनमर्जी से समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में स्वास्थ्य संबंधी कार्य किए जाते हैं अपनी मनमर्जी के मुताबिक सामुदायिक

केंद्र नारायणगंज में आना.जाना किया जाता है जिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं पहुंचता है बाद से पत्थर हो चुकी हैं अस्पताल में आने जाने वाले समस्त परिजन मरीजों को इलाज प्रदान ना करते हुए अस्पताल में दवाइयां ना देकर संपूर्ण इलाज संबंधी सभी दवाइयां प्राइवेट मेडिकल दुकानों में खरीदने हेतु मरीज को पर्ची बनाकर दिए जाती है जिसका संपूर्ण कमीशन बीएमओ को प्राप्त होता है समुदाय स्वास्थ्य के नारायणगंज में किसी भी छोटी बीमारी या घटना का इलाज न करते हुए किसी भी समय बीएमओ के द्वारा अपने चिन्हित प्राइवेट अस्पताल जबलपुर में मरीजों को रेफर कर दिया जाता है जिसका संपूर्ण कमीशन बीएमओ नारायणगंज को प्राप्त होता है मरीज को क्षमता विश्वास के नारायणगंज में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान नहीं करते हुए जानबूझकर बाहर पहुंच कर के द्वारा अपने कमीशन के चलते प्राइवेट हॉस्पिटल में रेफर कर दिया जाता है जिससे क्षेत्र की गरीब जनता को आर्थिक भार उठाना पड़ता है एवं कभी.कभी परेशान का सामना करना बीएमओ अमृतलाल कोल द्वारा संपूर्ण क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान नहीं की जा रही हैं साथ ही अनिकेत रूप से अस्पताल परिसर में अन्य विवादित व्यक्तियों को अपने क्षेत्र में बताएं जाता है एवं जानबूझकर मरीजों को उनके परिजनों के साथ विवाद की स्थिति निर्मित की जाती मरीज एवं परिजनों के साथ मारपीट के की जाती है एवं जानबूझकर लड़ाई झगड़ा करवाया जाता है जिससे क्षेत्र की जनता में आने.जाने वाले मरीजों को अत्यधिक की परेशानी का सामना करना पड़ता है आता है उक्त बिंदुओं पर गंभीर पूर्वक सगान लेते हुए आज दिनांक से अगर सात दिवस के के भीतर एन एच 30 में स्थित ग्राम खैरी में वाले पुल की मरम्मत की जावे एवं समुदाय स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में विगत कई वर्षों से पदस्थ बीएमओ डॉक्टर अमित कोल को तत्काल हटाया जाए साथ ही अस्पताल परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ अनावश्यक रूप से विवाद करने वाले राजू अग्रवाल भूरा के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए अस्पताल परिसर के बाहर बनाए गए अवैध ठेला टपरा ठेला को शीघ्र हटाने संबंधी कार्रवाई की जाए यदि निर्धारित समय पर अवधि में शासकीय स्तर से कार्यवाही नहीं की जाती तो हम समस्त क्षेत्रवासी जन समुदाय एवं सभी जनप्रतिनिधियों के द्वारा एन एच 30 में एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज के सामने बैठकर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

बैंड बाजे के साथ रिटायर्ड और उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

नारायणगंज।

शिक्षक दिवस के अवसर पर ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन की मंडला इकाई के द्वारा जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन नारायणगंज में किया गया। जिसमें जिले भर के सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिले के प्रतिभाशाली और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का और मई, जून और जुलाई माह में सेवानिवृत शिक्षकों का फूलमाला तिलक शॉल श्रीफल और स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों का बैंडबाजे के साथ अगवानी होने से कार्यक्रम उल्लास और उत्साह से भर गया। जनपद पंचायत नारायणगंज की टीम ने जिले भर के एसोसिएशन के उन पदाधिकारियों को डायरी पेन भेंट कर सम्मान किया जो एसोसिएशन में रहकर बच्चों और विद्यालयों के कल्याण में सदैव अग्रणी रहकर कार्य करते हैं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े, जनपद अध्यक्ष आशाराम भारतीया, उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा सहित शहर के अनेक समाजसेवी और पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और पूजन अर्चन के साथ किया गया ।अपनी परम्परा के अनुसार एसोसिएशन ने सभी मंचासीन अतिथियों का कॉपी पेन से स्वागत किया गया । सभी कॉपी पेन सुदूर क्षेत्रों की संस्थाओं के बच्चों हेतु मंच के माध्यम से प्रदाय कर दिया गया। ।उदबोधन की कड़ी में जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े द्वारा विचार रखा गया,जिसमें शिक्षा के महत्त्व और जीवन में शिक्षक ,गुरु से बढकर दूजा कोई और नहीं पर प्रकाश डाला गया, साथ हि अपने कर्तव्यों को ईमानदारी के साथ व्यवहारिक रूप से बच्चों को सही मार्ग दिखाने हेतु प्रेरणा दी गई । वरिष्ठ समाजसेवी रतन ठाकुर द्वारा शिक्षक के महत्व पर प्रकाश डाला गया और समाज शिक्षकों के साथ सद्भावना रखते हुए व्यवहार करने की बात की।मुख्य अतिथि की आसंदी से सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा विस्तार से शिक्षा से जुड़ी जानकारी योजनाओं के साथ, शासकीय और गैर शासकीय शिक्षण के कार्यों, शिक्षकों के कार्यों, विभागीय दायित्वों के साथ साथ प्रतिवेदन के बिन्दुओं पर भी अपने सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान किए । उन्होंने शिक्षकों की मांगों को गंभीरता से लिया और शासन के समझ चर्चा करने और कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्रांतीय प्रवक्ता संजीव सोनी ने किया मंच संचालन जिला अध्यक्ष दिलीप मरावी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उमेश यादव, कमलेश मरावी अनिल श्रीवास्तव देवेश सोनी दिनेश सैयाम जयदेव मार्को आदि का विशेष सहयोग रहा

गणेशोत्सव पर्व पर परंपरागत हवन पूजन

मण्डला।

श्री झूलेलाल कॉलोनी में गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर पंडित रानूनाथ शर्मा की उपस्थिति में हवन पूजन किया गया। इसमें आस्था प्रेमियों ने हवन में बैठकर आहूति दी और भगवान गणपति से हर परिवार की खुशहाली के लिए कामना की। सुख शांति के साथ सभी के निरोगी जीवन के लिए गणपति से आशीर्वाद मांगा गया। इस अवसर पर परंपरागत रूप से हवन पूजन की रस्म अदायगी की गई। हवन पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे और हवन आहूति में सपरिवार शामिल हुए।

आरती पूजा के साथ पल्लव पूजा

भगवान गणेश के दस दिवसीय महोत्सव में रोजाना सुबह.शाम आरती की जा रही है। इसी तारतम्य में हवन पूजन के बाद नियमित रूप से आरतीएपल्लवए पूजा अरदास की की गई। परंपरागत रूप से भगवान गणेश और माता जगत जननी की आराधना की गई।

लंगर का हुआ आयोजन

हवन पूजनए आरती के बाद आम जनों के लिए लंगर का आयोजन किया गया। इसके लिए समिति के सदस्यों के साथ.साथ महिला सदस्यों का बहुमूल्य योगदान रहा सर्वप्रथम समिति सदस्यों ने कन्याओं का विधिवत पूजन किया एवं उनका प्रसादी ग्रहण कराई। इसके पश्चात आम लंगर शुरू हुआ।इसमें बड़ी संख्या में धर्माआस्था प्रेमियों ने शामिल होकर महाप्रसादी ग्रहण की।

दादा धनीराम धर्मशाला में हुआ पौधरोपण

मण्डला।

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दादा धनीराम धर्मशाला में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद के द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज गुरवानी, न्यास अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, पप्पू तिवारी, विनय शंकर, आनंद शिंदे, सुनील नंदा, लवी गुरवानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम में वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण को आवश्यक बताया उन्होंने कहा कि पेड़ धरती की सबसे बड़ी संपत्ति हैं और अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित वातावरण दिया जा सकता है परिषद के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि इस तरह के पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

फुटपाथ पर सज रही दुकानों से प्रभावित हो रही यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि स्थानीय झंडा चौक से लेकर सब्जी मंडी तक एवं झंडा चौके से लेकर पुरानी पुलिस चौकी तक सड़कों के किनारे बने फुटपाथ पर दुकानें सजना आम होता जा रहा है, इन मार्गो में सड़क के किनारे का भाग सज रही दुकानों के चलते अतिक्रमण की चपेट में आ रहा है। ज्ञातव्य हो कि वैवाहिक कार्यक्रमो के चलते दुकानदारों में ग्राहकों को लुभाने की होड़ सी लगी हुई है, जिस कारण वे अपनी दुकानों को बाहर की ओर लगाना पसंद कर रहे है, दुकानदारों की बिक्री की जाने वाली समग्री फुटपाथ पर सजने लगी है, नगर के हृदय स्थल झंडा चौक, शिवालय चौक, श्याम टाकीज रोड जाने वाले मार्ग पर इस तरह दुकानों के सामनें रखी जाने वाली सामग्रियों रोड पर रखना आम रिवाज बन चुका है, क्योंकि दुकानदार अपनी दुकान को अलग अलग दिखाने की चाहत में दुकान के अंदर रखी हुई सामग्रियों को बाहर निकाल कर रख रहे है, ताकि उपभोक्ता आकर्षित होकर सामग्री को क्रय कर सके, इस तरह बाहर रखी हुई सामग्रियां जहां एक ओर ग्राहकों कों आकर्षित अवश्य कर रही है वही सड़कों पर यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही है, वही दूसरी ओर कुछ हाथ ठेलों पर सामन बेचने वाले जिसमें प्रमुख रूप से फल विक्रेताओं द्वारा पूर्णरूप से मुख्य सड़क पर अपना कब्जा जमा लिया गया है, यह मार्ग नगर का सबसे व्यस्तम क्षेत्र होने के साथ साथ नगर का मुख्य सड़क मार्ग भी है, इस तरह की आवो हवा में राहगीरों को गुजरने में कठिनाईयों के साथ मार्ग को तय करना पड़ रहा है, वर्तमान परिवेश में जहां वाहनों में वेतहाशा वृद्धि हुई है व नगर में दौड रहे दो पाहिया वाहन चार पाहिया वाहनो में इजाफा होने के साथ साथ इस सड़क पर पैदल चलने वाले राहगीरों को चलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, पैदल चलने वालों के लिए भी इस व्यस्तम सड़क मार्ग पर चलना दूभर हो रहा है, इस अव्यवस्था कें चलते पैदल चलने वाले लोगो को हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, दुकान संचालकों की मनमानी से वाहनो से सड़क पर निकालने वाले लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है दुकानों के सामने रखा हुआ सामान दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है? नगर के इस भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र पर छुट पुट बारदातें सामने आती रहती है वही शाम के वक्त यहां के हालत और भी बत्तर हो जाते है, जिस कारण शाम के समय सडकों पर भारी भीड़ देखी जा रही है वही दुकानदारों की मनमानी के चलते सामने रखी समग्रियां वाहनों को निकलने मे परेशानी पेदा कर रहा है,उल्लेखनीय है कि आने वाले तेज धूप के समय में लोग सुबह से ही अपने काम काज निपटाते है, यदि समय रहते नगर की सड़कों पर दिनों दिन बढ़ रही अतिक्रमण पर रोक नही लगी तो सड़के दुकानों में तब्दील हो जावेगी।

स्कूलों मे सड़ रहे कम्प्यूटर, शिक्षा विभाग की योजना पर लगा प्रश्न चिन्ह?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। विगत कुछ वर्षो पूर्व मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक क्षेत्र के अनेक गांवों के मिडिल स्कूलों मे कम्प्यूटर ज्ञान देने खातिर मयसेट कम्प्यूटर रखाये गये थें, जिनका कभी किसी छात्र को लाभ तो हुआ नही मगर इन कम्प्यूटरों की स्थिति देखी जावे तो कुछ चोरी चले गये, कुछ के आधें अधूरे सिस्टम शेष रह गये है तो वह भी संस्थाओं की कोठरी मे बंद पडें हुए सड़ रहे है और कुछ अध्यापक व प्रध्यापक के घर की शोभा बढ़ा रहे है? कई गांवों के शिक्षकों को कम्प्यूटर के क्षेत्र मे ए बी सी डी का ज्ञान न होने के कारण छात्र छात्रायें भी कम्प्यूटर ज्ञान से वंचित ही रहे गये है? शिक्षकों को कम्प्यूटर संबंधी ज्ञान न होने के कारण गांवों के बच्चे उन्हें आज तक चालू व बंद करना भी नही सीख पाये है? इतना ही नही अज्ञानतावश बच्चे यह सुनकर व जानकर उत्साहित होते है कि उन्हे स्कूल मे टेली विजन देखने मिला है जो शायद कभी चालू होगा? इस तरह आधुनिकता से परिपूर्ण दौर मे प्रत्येक क्षेत्र मे कम्प्यूटर जरूरत बन गया है, इसी बात का ध्यान रखत हुये बच्चों के भविष्य के लियें शिक्षा विभाग द्वारा कम्प्यूटर ज्ञान सोच के साथ लाखों रूपयें की राशि खर्च कर गांव गांव के स्कूलों मे कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया करायी गयी है,परंतु प्राध्यापकों द्वारा राशि का बंदरबाट कर अपनी जेब व अपने घर की शोभा बढ़ाने के शिवा कुछ साबित नही हुआ है? कम्प्यूटर प्रशिक्षण के नाम पर धूल खा रहे कम्प्यूटर एक बार बिगड़ जाने के बाद महीनों उनकी मरम्मत नही कराई जाती है, इस प्रकार वह स्कूलों मे रखें रखें सड़ रहे है?

पीओपी से बनी मूर्ति प्रशासन की अनदेखी की उजागर कर रही सच्चाई ..?

लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा नगर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला, कुंड का पानी गंदा होते ही साफ सफाई में जुटी नपा की टीम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

लगातार 11 दिनों तक गणेश उत्सव के धूम रहने के बाद भी जिस प्रकार से नगर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस निकलने का जो सिलसिला शनिवार से शुरू हुआ जो दूर रात तक चलते हुये देखा गया। वही दूसरी ओर दिन फिर विजर्सन का सिलसिला सुबह से ही चालू गया था जो समाचार लिखे जाने तक जारी रहा। वही दूसरे दिन यानि की कल रविवार को स्नान दान पूर्णिमा के अवसर पर भी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी रहने से नगर की गलियों में लगातार गणेश प्रतिमाओं के जुलूस निकलते हुये देखे गये। वैसे भी इस साल स्नानदान पूर्णिमा के अवसर पर चंद्रग्रहण होने के चलते नर्मदा स्नान करने वालों की भीड़ देखने नही मिली। मगर आज चंद्रग्रहण मोक्ष होने के बाद भीड़ उमड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। इस तरह चल रहे गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के चलते नगर में अनोखा महौल दिखाई देने से नही चूक रहा है। शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी में नगर पालिका द्वारा बनाये जाने वाले इस विसर्जन कुंड में नगर के अलावा आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली प्रतिमाओं का विसर्जन भी होता है। हर साल की भांति इस साल नगर पालिका द्वारा गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिये दो कुंडों को निर्माण किया गया है। क्योंकि जब एक कुंड में अधिक मात्रा में मूर्ति विसर्जन होने के चलते पानी खराब होने लगता है तो नगर पालिका की टीम उस कुंड की सफाई शुरू कर देती है तथा विसर्जन का कार्य दूसरे कुंड में चलता रहता है। इस प्रकार से दो कुंडों के निर्माण होने से लोगों द्वारा प्रसन्नता जाहिर की जा रही है। मगर जिस तरह से लोगों द्वारा लगातार 11 दिनों तक जिस मूर्ति का पूजन करते हुये उसकी आराधना की जाती है और जब उसके विसर्जन का समय आता है तो निश्चित ही अपने प्रिय देवता से बिछड़ने के पल हर भक्त के लिये दुखी करने वाले होते है और भक्तों का सपना होता है कि जिस प्रतिमा के सामने उसने लगातार आराधना की गई है प्रतिमा को विसर्जन वह इस प्रकार के जल में करे जो पूर्णरूप से साफ सुधरा होने के साथ साथ उसकी गहराई इतनी हो कि प्रतिमा आसानी से उसमें समाहित हो सके। इसी के चलते नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से विसर्जन हेतु आने वाली गणेश प्रतिमाओंके लिये शक्कर नदी के पास नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा की देख रेख में दोनों कुंडों की लगातार सफाई करने के लिये नगर पालिका की टीम जुटी हुई देखी जा रही है। वही अन्य व्यवस्थाये बनाने के लिये अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावत व्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेताम, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, नगर निरीक्षक विक्रम रजक के साथ साथ मुख्य गनर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख मूर्ति विसर्जन स्थल पर समय समय पर राउंड लगाते हुये अपनी नजर रखे हुये है। मगर देखा जा रहा है शासन प्रशासन के साथ साथ समाज सेवी संस्थाओं द्वारा जिस तरह लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है कि वह अपने घरों में पीओपी से बनी प्रतिमाओं की स्थापना करने की जगह मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं की स्थापना करे। क्योंकि पीओपी से निर्मित प्रतिमाये विसर्जन बाद कुंड के अंदर घुलती नही है और वह जैसी की तैसी पड़ी रहती है। इस तरह अधघुली प्रतिमाओं को देखा जाता है तो निश्चित तौर से लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने से नही चूकती ह। क्योंकि जिन गणेश भगवान को लोग बड़ी आस्था के साथ स्थापित करते है और 11 दिन तक पूजन अर्चन के उपरांत विसर्जन तो कर देते है। मगर वह अधघुली बेरूप होने के बाद पानी में पड़ी रहती है। यह दृश्य भावनाओं को काफी कष्ट पहुंचाने वाला होने के साथ साथ लोगों द्वारा इस तरह की प्रतिमाओं को स्थापित करते हुये 11 दिन तक की गई आराधना का महत्व समाप्त करने से नही चूकता है..? मगर इसके बाद भी अनेक लोगों द्वारा अपने घरों में पीओपी से बनी प्रतिमाओं की स्थापना करते हुये जिस तरह उनका विसर्जन किया गया है उसकी सच्चाई खुलेआम देखने मिल रही है। क्योकि कुंड में विसर्जन तो कर दी गई है। मगर वह घुल नही रही है। इस तरह अधघुली प्रतिमाओं का दृश्य काफी दुख देने वाला साबित होने से नही चूक पा रहा है।

सर्व समाज समरसता का ध्वज अर्पण कर दिया एकजुटता का संदेश, सामाजिक सद्भाव सनातन का मूल - बसेड़िया

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। समाज सेवा में तत्पर रहने वाले व परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष मुकेश बसेडिया ने सामाजिक सदभाव व परस्पर प्रेम के लिए बीते हुये दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा स्थित श्री दादाजी के दरबार में सर्व समाज के साथ सामाजिक समरसता ध्वज चढ़ाकर एकता का संदेश दिया। इस मौके पर सर्वप्रथम दादाजी धूनी वालो का सामूहिक पूजन के सतरंगी समरसता ध्वज अर्पण किया। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक नरेश पाठक ने कहा कि बसेड़िया सेवा का भाव लेकर समाजसेवा के क्षेत्र मे बेहतर कार्य करते है। इसी प्रकार से समाजसेवी मिनेन्द्र डागा ने अपने कहा कि जिस तरह बसेड़िया द्वारा जंगल क्षेत्र में जहां लोग जाने से डरते है वहां पहुंचकर बसेड़िया को समाज सेवा करना एक बड़ा कार्य है। वही उन्होने सनातन धर्म ,गौ रक्षा एवं संर्वधन की बात रखी। कार्यक्रम में मातृ शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि सनातन धर्म की गतिविधियों मे सभी की भागीदारी होना चाहिए। इस मौके पर भगत दास महंत , पं गौरी शंकर खेमरिया , मनीष राय ,पं राजेन्द्र राजौरिया, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल , धर्मेन्द्र गुड्डा राय साहब, कुलदीप ढिमोले सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। वही मुकेश बसेड़िया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे जीवन के 24 वर्ष मां विजयासन , दादाजी धूनी वालो की पूजन के साथ असहाय, निराश्रित गरीबो की सेवा तथा बेटियो की शिक्षा में व्यतीत हुआ। उक्त आयोजन संत श्री के साथ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्व समाज के वरिष्ठ जन, सभी वर्गों के , सभी दलों व सभी सामाजिक संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारीगण व जनता जनार्दन ने एक साथ मिलकर ध्वज चढ़ाया जो एकता व सामाजिक सदभाव की मिसाल है।

शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित हुए नगर के शिक्षक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। निश्चित तौर से शिक्षक वह होता है जो हमारे बच्चों का भविष्य बदलने में कोई कसर नही छोड़ते है। क्योंकि हम जब किसी शिक्षण संस्था में इस तरह से बच्चें को प्रवेश दिलाते है जब वह कुछ नही जनता है। मगर जब वह स्कूल से निकलता है तो सर्वगुण संपन्न हो जाता है। इस सबके पीछे एक शिक्षण का आर्शीवाद होता है। इस आधुनिक युग में हर चीज का निर्माण किया जा सकता है। मगर किसी व्यक्ति के अंदर यदि अच्छे गुण खोजे जावे तो वह सिर्फ शिक्षक ही तैयार कर सकता है। इस तरह शिक्षक सम्मान सहित पूजन का अधिकारी माना जाता है। इसी के चलते बीते हुये दिवस प्रदेश की राजधानी भोपाल के दुष्यंत संग्राहालय में आयोजित शिक्षक संदर्भ समूह के 15 वे स्थापना दिवस एवं शिक्षा रत्न सम्मान में क्षेत्रीय शिक्षको के शामिल होने से नगर का गौरव बढ़ा है। बताया जाता है कि इस आयोजन में श्रीमति हेमलता राजपूत, व्याख्याता राजेश गुप्ता, सिराज अहमद सिद्धिकी, मधुसूदन पटैल, राजेंद्र गुप्ता, योगेंद्र सिलावट, शिवकुमार पाटकार सहित कुछ अन्य शिक्षको को शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मौजूद थें। वही अध्यक्षता प्रो अश्विनी गर्ग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एनसीईआरटी भोपाल ने की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री दीपक जोशी, विधायक भगवान दास सबनानी, रिटायर्ड आईएएस शरद चंद्र बेहार,पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर एवं प्रांत अध्यक्ष मप्र शिक्षक संघ डॉ क्षत्रवीर सिंह राठौर, नर्मदापुरम जेडी मनीष वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस आयोजन में शिक्षक संदर्भ समूह के संस्थापक डॉ दामोदर जैन एवं समन्वयक सुश्री उमा उपाध्याय सहित शिक्षक संदर्भ समूह के सदस्यों की अहम भूमिका रही।

पितृ पक्ष के दौरान ऊमर नदी में शुरू हुआ पुरखों को तर्पण करने का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। स्नानदान पूर्णिमा यानि की बुधवार से शुरू हुये पितृ पक्ष के चलते अपने पूर्वजों को जल तर्पण शहरों के साथ साथ ग्राम के घरों में लोग बड़ी ही श्रद्वा के साथ अपने पितरों की शांति के लिए श्राद के कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। इसी के चलते ग्राम के पास से निकली हुई ऊपर नदी में प्रतिदिन सुबह बड़ी संख्या में ग्रामवासी पहुंचकर पंडित पं. गणेश प्रसाद ढिमोले के मार्ग दर्शन सहित पं. उमाशंकर दुबे तथा अनन्त कुमार पुरोहित तथा गनेश प्रसाद ढिमोले द्वारा हिन्दू संस्कृति सहित मंत्रोच्चारण करते हुए ग्रामवासियों से उनके पितरों को जल आर्पित कराते हुए उन्हे पितरों का आशीर्वाद दिला रहे है जिसके चलते लोग अपने पूर्वजों को याद करते हुये जल तर्पण कर रहे है। ज्ञात हो कि मनुष्य पर आजीवन देव, ऋषि, पितरों का ऋण रहता है जिसे चुकाना भारत के धर्मशास्त्रों के अनुसार अनिवार्य है। इन ऋणों से मुक्ति के लिए हिन्दू धर्म में सोलह श्राद्व करने का विधान भी है, जिसका पालन समर्पित भावना से सनातन हिन्दू धर्म को मानने वाला हर व्यक्ति करता है। इस प्रकार श्राद्व और तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है। पूरे विधि विधान से अपने पितरों को तर्पण करने से एवं श्राद्व से व्यक्ति को पितृ दोष मुक्त होते है तथा अनेक प्रकार के कष्टों से निजात मिलती है। इसी के चलते इस समय चल रहे पितृपक्ष के दौरान सोलह श्राद्व पितृ पक्ष में मांगलिक कार्यो पर विराम लगने के दौरान लोग अपने पितरों की याद में खोये हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर बड़ी संख्या में ग्राम के लोग ऊमर नदी पहुंच कर नदी में स्नान करने के उपरांत पंडितों के मंत्रोंच्चारण के बीच सुबह कुशा, दूध, पानी, तिल, फूल के साथ पितरों को जल तर्पण करते हुये उन्हें याद किया जा रहा है, पितृ पक्ष को लेकर विद्वमान पंडित गणेश ढिमोले द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि पितृ दोष व्यक्ति का जीवन पूरी तरह तबाह कर सकता है, ऐसे व्यक्ति के हर काम में बाधा आती है और पारिवारिक जीवन में खुशी की कमी होती है और वह परेशानियों से घिरा रहता है, जिसके चलते हिन्दू धर्म के मुताबिक सभी को अपने पूर्वजो को याद किया जाता है।

नि:शुल्क उपचार शिविर के माध्यम से 153 मरीजों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। मानव सेवा समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये। हर माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निः शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। इस तरह बीते हुये रविबार 73 वें कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 5 शहरों एंव 28 गावों के लगभग 153 मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार करवाया गया। इस दौरान सभी मरीजों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये कागज के पैकिटों में पूर्णरूप से निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। आयोजि इस मेडीकल कैम्प में महिला रोग विशेषज्ञ डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डाक्टर मनीष महोबिया, शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टरअरूण दोहरे, डाक्टर धीरज पटेल के आलवा सहयोगी राहुल गिरी गोस्वामी, नीलेश कुशवाहा सहित मानव सेवा समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में सीहोरा, जबलपुर, इटारसी, उदयपुरा, साईखेड़ा के आलवा बम्होरी, थलबाड़ा, तूमड़ा, धनौरा, नारगी, देवरी, चारगाव खुर्द, छोटी बनखेड़ी, किशनपुर, सलैया, डूमर,खैरी, इमलिया, महगवां खुर्द, कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीज आये हुये थें जिन्हें उपचार मिला।

पशु केन्द्रों में आये दिन लटके दिखाई पड़ रहे ताले, बारिश सीजन में फैलती है बीमारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य करने वाले लोगों को उनके पालतू पशुओं का जरूरत पड़ने पर समय समय पर इलाज होने के साथ साथ पशु संबंधी जरूरी जानकारियों प्राप्त करने के लिए जहां तहां पशु केन्द्र स्थापित किये गये है। मगर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित इन पशु केन्द्रो में अधिकांश समय मात्र ताला लटका होने के कारण जहां यह मात्र शोभा की सुपारी बन कर रहे गये है? वही दूसरी ओर इन पशु केन्द्रो के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को कोई लाभ मिलता हुआ जान नही पड़ रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में बने हुये पशु चिकित्सा केन्द्र सहित अन्य ग्रामों में स्थापित केन्द्रा में भी देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि जब क्षेत्र के किसान जरूरत पड़ने पर अपने पशुओं को लेकर यहां पर पहुंचते है तो वहां पर मात्र ताला लटका हुआ ही मिलने के कारण वह निराश होकर बापिस हो जाते है, जबकि गौर किया जावे तो इस समय चल रहे बारिश के दौर में पशुओं में अनेक प्रकार की बीमारी फैलने का भय रहता है। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यहां पर पदस्थ अधिकारी कर्मचारी के दर्शन हो पाना मुश्किल होने के कारण न तो क्षेत्र के लोगों को पशु संबंधी जरूरी जानकारियाँ मिल पा रही है और नही पशुओं को जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवाएं जिसके चलते क्षेत्र के लोग परेशान हो रहे है।

ग्रामीण क्षेत्रों के यात्री प्रतिक्षालय शोपीस बनकर रह गए

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा । विगत कुछ वर्ष पूर्व जिस प्रकार से गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में सांसद, विधायक निधि या अन्य मदों से लाखो रूपए खर्च कर क्षेत्र के गांवों में जो यात्री प्रतिक्षालय बनवाये गए थे, उनकी दशा शोचनीय हो गयी है तथा वे सिर्फ शोपीस बनकर रह गए है। जानकार सूत्रो के अनुसार बसो की आने की प्रतीक्षा के दौरान लोग इनका उपयोग न के बराबर करतें है। हरिभूमि से चर्चा करते हुए ग्रामीणजनों ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालयों का निर्माण करते वक्त जगह की उपयोगिता का ध्यान नही रखा गया है। इस कारण कोई उनका उपयोग करना पसंद नही करता है। इस संबंध में क्षेत्र की ग्रामों के जागरूक लोगों का कहना है कि अनेक गांव ऐसे भी है जिनकी सीमा से बाहर यात्री प्रतिक्षालयों का पूर्व में निर्माण हुआ है। इन प्रतिक्षालयों में दरबाजे तक नहीं है और साफ सफाई के अभव में ये बस यात्रियो के बैठने लायक नही रह गए है, चिन्ता की बात यह है कि कई यात्री प्रतिक्षालय असामाजिक तत्वो के बैठक खानो में बदल कर उन्हें शराब पीने के लिये सुरक्षित स्थानों के रूप में तब्दील करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है तो कुछ में लोगों ने इन यात्री प्रतिक्षालयों में अपनी दुकाने लगाकर अतिक्रमण कर लिया है, इनके निर्माण का मकसद पूरा नहीं होने से ये यात्री प्रतीक्षालय शासन के धन की होली खेलने की मिसाल पेश कर रहे है।

विधायकों की तनख्वाह बढ़ाने की तैयारी, लेकिन जनता के असली सेवक अब भी उपेक्षित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश में विधायकों के वेतन और भत्तों में भारी बढ़ोतरी की तैयारी ने एक बार फिर सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा सदस्य समिति ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि विधायकों का वेतन और भत्ता 45 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो एक विधायक की मासिक सैलरी लगभग 1.60 लाख तक पहुंच जाएगी। साथ ही पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया है। भारतीय गणवार्ता (भगवा पार्टी) के अनूपपुर जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल मिश्रा ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि "जनप्रतिनिधियों को उनके कार्य और दायित्व के अनुरूप उचित वेतन मिलना चाहिए, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब विधायकों की आय बढ़ाने वाले विधेयक बिना किसी बहस और देरी के तुरंत पास हो जाते हैं, तो वही सुविधा संविदा कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मेहनतकश मजदूरों को क्यों नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जमीनी हकीकत यह है कि संविदा कर्मचारी वर्षों से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं न्यूनतम मानदेय पर कठिन परिश्रम कर रही हैं और मजदूर वर्ग आज भी दिहाड़ी मजदूरी पर जीवन यापन को मजबूर है। शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और श्रम क्षेत्र से जुड़े यही लोग सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारते हैं, लेकिन उनकी मेहनत का मूल्य तय करने में हमेशा लापरवाही बरती जाती है। मिश्रा ने कहा कि विधायकों को पहले से ही भत्ते, गाड़ी, मकान और तमाम सुविधाएं प्राप्त हैं। ऐसे में उनके वेतन को प्राथमिकता देना और जनता के असली सेवकों को अनदेखा करना लोकतंत्र में असंतुलन को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाया जब अपने वेतन वृद्धि पर सहमति जताने में विधायकों को मिनटों का समय नहीं लगता, तो गरीब मजदूरों, आंगनवाड़ी बहनों और संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए महीनों और सालों का इंतजार क्यों कराया जाता है। अंत में मिश्रा ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र तभी सार्थक होगा, जब सत्ता की सुविधाओं और जनता के वास्तविक सेवकों की मेहनत के मूल्य को समान संवेदनशीलता से देखा जाएगा। सरकार और विधायकों को आत्ममंथन करते हुए आमजन के पक्ष में ठोस निर्णय लेने होंगे।

कोल इंडिया ने आवासों को लीज पर देने से किया इंकार, बैठक में नहीं बनी सहमति

राजनगर। कोल इंडिया की सरप्लस आवास सदुपयोग कमेटी की बैठक दिल्ली में हुई। मीटिंग में शामिल एक यूनियन के सदस्य ने बताया कि बैठक में प्रबंधन ने केंद्र सरकार के नियमों का हवाला देते हुए कोल इंडिया के आवासों को लीज पर देने से इंकार कर दिया। इसके बाद यूनियन प्रतिनिधियों ने रांची के एचइसी व बोकारो स्टील का हवाला दिया। कहा आवास लीज पर देने में दिक्कत है, तो रेंट पर दिया जाये। इससे कंपनी को आर्थिक लाभ भी होगा। इस पर प्रबंधन ने कहा कि इसको लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा जायेगा। यूनियन प्रतिनिधि इस मुद्दे पर कोयला मंत्री से बात करेंगे। बैठक में कंपनियों के निरीक्षण पर सहमति बनी। टीम इसीएल, सीसीएल, एसइसीएल और डब्ल्यूसीएल का विजिट करेगी। इसकी शुरुआत सात अक्तूबर को इसीएल से होगी। नवंबर महीने तक विजिट का काम पूरा कर लिया जायेगा। बैठक में निदेशक वित्त सीसीएल, निदेशक वित्त इसीएल, निदेशक एचआर बीसीसीएल, कार्यकारी निदेशक एलआर कोल इंडिया तथा यूनियनों की ओर से एचएमएस से शिवकुमार यादव, बीएमएस से राजीव रंजन सिंह, एटक से शत्रुघ्न महतो व सीटू से रंजीत मुखर्जी मौजूद थे।

किसलपुरी ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम बनवासी टोला के ग्रामीणों ने शिक्षा की महत्ता को समझते हुए अद्भुत मिसाल पेश की है

श्रमदान व चंदे से वनवासी टोला में शुरू हुआ नया स्कूल भवन निर्माण

डिडौरी।

जिले की किसलपुरी ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम बनवासी टोला के ग्रामीणों ने शिक्षा की महत्ता को समझते हुए अद्भुत मिसाल पेश की है। जब उनकी फरियाद प्रशासन और जिम्मेदारों तक पहुंचकर भी अनसुनी रह गई, तो उन्होंने ठान लिया कि अपने बच्चों के भविष्य से समझौता नहीं करेंगे। यही वजह रही कि ग्रामीणों ने न केवल चंदा इकट्ठा किया बल्कि श्रमदान भी शुरू कर दिया और अपने पैसों से स्कूल भवन का निर्माण आरंभ कर दिया।

जर्जर भवन से शुरू हुई परेशानी

बनवासी टोला का पुराना स्कूल भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका था। हालात इतने खतरनाक थे कि बच्चों की पढ़ाई के दौरान किसी बड़ी दुर्घटना का खतरा बना रहता। लगभग एक माह पूर्व जिलाप्रशासन के आदेश पर उस भवन को ध्वस्त कर दिया गया, लेकिन नए भवन की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

अस्थायी इंतज़ाम भी नाकाफी

भवन गिराए जाने के बाद पहले तो ग्रामीणों ने अपने बच्चों की पढ़ाई एक घर में शुरू की। बाद में उन्हें मजबूरीवश दो किलोमीटर दूर एक पुराने भवन में शिफ्ट करना पड़ा। लेकिन उस भवन की हालत भी बेहद खराब और बच्चों के अनुकूल नहीं थी। कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई गई, मगर समाधान नहीं मिला।

बच्चों के भविष्य की खातिर ग्रामीणों का संकल्प

समस्या का समाधान न देखकर ग्रामीणों ने खुद जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया। गांव के हर परिवार से दो-दो हजार रुपये का चंदा इकट्ठा किया गया। इसके बाद महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने मिलकर श्रमदान शुरू कर दिया।

ईंट-पत्थर ही नहीं, उम्मीदों का निर्माण

फिलहाल लगभग 65 बच्चों की पढ़ाई जारी है और नए भवन का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्रामीणों की यह पहल सिर्फ ईंट-पत्थर जोड़ने का काम नहीं है, बल्कि यह उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने की जद्दोजहद है। ग्रामीणों का मानना है कि जब तक शासन-प्रशासन पहल नहीं करता, तब तक वे खुद अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की लड़ाई लड़ते रहेंगे। बनवासी टोला के लोगों की यह कोशिश पूरे जिले ही नहीं, पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

गणेश विसर्जन उपरांत डेम घाट पर फैली गंदगी को मैया अभियान के सेवादारों ने किया साफ

डिंडौरी। प्रत्येक रविवार आयोजित माँ नर्मदा स्वच्छता कार्यक्रम मैया अभियान अंतर्गत माँ नर्मदा स्वर्ण मंदिर डेम घाट में स्वच्छता अभियान चलाया गया। गणेश विसर्जन दौरान घाटों में भंडारे आयोजित किये गए जिससे डेम घाट में जगह -जगह दौना पत्तल , पन्नी , खाद्य सामग्री ,नारियल ,फूल मालाएं फैली हुई थी। मैया अभियान के सेवादारों ने प्रातः 7 बजे से डेम घाट में फैली दूषित सामग्री की झाड़ू लगाकर सफाई की एवं 2 ट्राली प्रदूषित सामग्री को निकाला गया। मैया अभियान के सक्रिय सदस्य जिला आयुष अधिकारी डॉ संतोष परस्ते ने नगरवासियों से निवेदन किया है कि जब भी नर्मदा किनारे भंडारे आयोजित होते है तब भंडारे उपरांत घाट की सफाई भी आयोजक समिति द्वारा ही की जाए । मैया अभियान के सभी सेवादारों ने दुःख व्यक्त किया है कि प्रत्येक रविवार हम लोग नर्मदा घाटों की सफाई करते हैं लेकिन पुनः घाटों में गंदगी हो जाती है इससे माँ नर्मदा का जल दूषित हो जाता है साथ ही जलीय जीवों के लिए खतरा उत्पन्न होता है। मैया अभियान के सदस्यों ने जिला प्रशासन एवं नगर परिषद से अपील की है कि नर्मदा घाटों में कचरा पेटी एवं घाटों में गंदगी फैलाने पर जुर्माना लगाया जाए। नेहरू युवा केन्द्र जिला समन्वयक आर पी कुशवाहा ने नगर के सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि मैया अभियान में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देवे। रविवार को आयोजित स्वच्छता सेवा में डॉ संतोष परस्ते , आर पी कुशवाहा , प्राचार्य शाहिद खान , शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित, पशु चिकित्सक गणेश गवले ,मनोज चौकसे , प्राचार्य रामविशाल मिथलेश, भागवत यादव , ओम वीर जाट , नील कंठ ब्रम्हे , मनोज बक्शी विद्यार्थी माही बरोतीया , याथार्त यादव , संतोष परमार , अवध गोहिया ,महेन्द्र उचेहरा ने श्रम दान मॉ नर्मदा की सेवा में अर्पित किया।

अनंत चतुर्दशी हवन कन्या भोजन भंडारे के साथ हुआ गणेश विसर्जन

डिंडोरी । क़स्बा शाहपुर में घर घर एवं पंडालों में विराजे विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की बड़े श्रद्धाभाव के साथ भक्तों के द्वारा धूमधाम के साथ नौ दिन विशेष पूजापाठ की किया और उतने ही हर्ष उल्लास एवं भक्ति भाव के साथ अनंत चतुर्दशी के शुभ अवसर पर घर-घर एवं पंडालों में विराजे विघ्नहर्ता सुखकर्ता लंबोदर महाराज जी की प्रातः काल से ही हवन पूजन के पश्चात कन्या भोजन एवं भंडारे का भाव आयोजन कस्बा में किया गया मुख्य बस स्टैंड शिव मंदिर में विराजे गजानन के विसर्जन चल समारोह के साथ कस्बा के सरस्वती शिशु मंदिर एवं बनवासी मोहल्ला में स्थापित गणेश प्रतिमाएँ चल समारोह में शामिल रहीं सायं कल से चल समारोह प्रारंभ हुआ जो जो ढ़ोल - नागाड़ो की थाप डीजे की धुन और भजन कीर्तन के बीच श्रद्धालु गणपति बप्पा की झाकियों के साथ उमड़ पड़े जगह जगह महिलाएं व बच्चे भी पारम्परिक परिधानों में शामिल होकर शोभायात्रा का हिस्सा बने चल समारोह क़स्बा के मुख्य मार्ग से होते हुए प्राचीन बूढ़ी माई मंदिर पंहुचा जहाँ कस्बा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों की आस्था का केंद्र माँ बूढ़ी माई की श्रद्धांभाव से पूजा अर्चना की गई इसके पश्चात मुख्य मार्ग से चल समारोह क़स्बा की घुनसी नदी पहुंचा जहाँ श्री गजानन जी भावुक मन से आरती वंदना करते हुए परंपरा अनुसारप्रतिमाओं का विसर्जन किया गया श्रद्धालुओं ने "" गणपति बप्पा मोरया , अगली बरस तू जल्दी आ "" के जय घोष के साथ विघ्नहर्ता गजानन को विदाई दी कस्बा में श्री गणेश विसर्जन चल समारोह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ इस दौरान सुरक्षा के मध्य नजर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही!

समय पर ऑक्सीजन और एंबुलेंस मिल जाती, तो शायद बच जाती ज़िंदगी

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लगाया लापरवाही का आरोप

डिडौरी ।

वार्ड क्रमांक 09 नर्मदागंज निवासी सोनू बर्मन युवक की शनिवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि 108 एंबुलेंस समय पर न पहुँचने और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध न कराए जाने के कारण युवक की जान गई।

जानकारी के अनुसार सोनू बर्मन को शनिवार शाम लगभग 4:30 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शनिवार रात करीब 10 बजे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी डॉक्टर अमित जैन ने समय रहते ऑक्सीजन सिलेंडर देने से मना कर दिया और उचित इलाज नहीं किया।

वहीं इस मामले में डॉ. अमित जैन का कहना है कि मरीज की स्थिति पहले से गंभीर थी। उसे एल्कोहल लीवर की बीमारी, पेट में सूजन और किडनी में इंफेक्शन की समस्या थी। डॉक्टर का कहना है कि उन्होंने रात 09 बजे ही रेफर की पर्ची बना दी थी और मरीज को जबलपुर ले जाने की सलाह दी थी, लेकिन परिजन तैयार नहीं हुए। मृतक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर कोतवाली पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुँचे। परिजनों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की। तहसीलदार ने मामले की जांच कर प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजने की बात कही है।अब देखना यह होगा कि क्या वास्तव में अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से सोनू बर्मन की मौत हुई या मामला बीमारी की गंभीरता का था। फिलहाल यह जांच का विषय है, जिसका खुलासा आने वाले दिनों में होगा। बरहाल मृतक सोनू बर्मन मेहनत मजदूरी कर अपना परिवार चलता था सोनू बर्मन की अचानक मृत्यु होने से परिवार में गहरा आर्थिक संकट गहरा गया है।

पर्यावरण प्रेमियों ने किया 135 फलदार आम के पौधों का रोपण

शहपुरा। पर्यावरण संरक्षण के दिशा में क्षेत्र के युवाओ के द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है जिसमें पौधे लगाना एवं उनका देखभाल करने का कार्य निरंतर जारी है ।युवाओ की टोली विगत तीन वर्षो से लगातार हर रविवार को पौधारोपण महाअभियान चलाकर पौधे लगाने व उनका संरक्षण का कार्य कर रही है ।इस महाअभियान को शुभ दिन , जन्म दिन, सालगिरह, विशेष पर्व में भी पौधे लगाकर जारी रखा गया है पौधारोपण महाअभियान के 169 वें रविवार को ग्राम बरगांव में 135 आम के पौधो का रोपण किया गया ।इस महाअभियान में विधिक सेवा समिति शहपुरा, अधिवक्ता संघ शहपुरा, भारतीय किसान संघ, डीएसएस मध्यप्रदेश, पटवारी संघ, सहित क्षेत्र के नेता, पत्रकार, शिक्षक, कृषक की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहपुरा व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम ,अधिवक्ता संघ शहपुरा के अध्यक्ष अधिवक्ता दयाराम साहू, भारतीय किसान संघ जिलाध्यक्ष बिहारीलाल साहू , भा.ज.पा. मंडल शहपुरा मंत्री विजय कुमार साहू, कर्मचारी संघ अध्यक्ष सोहन साहू, पत्रकार भीमशंकर साहू, इंजीनियर देवेंद्र साहू, अनीष साहू, शारदा नामदेव, बीकेएस तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार मौर्य, अधिवक्ता विनय झारिया, अधिवक्ता निर्मल कुमार साहू सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे है ।पौधारोपण कार्यक्रम के पश्चात इस बगीचा का नाम "एक बगिया मां के नाम- राम वाटिका बरगांव" रखा गया जिसके संरक्षण की जिम्मेदारी टीम डीएसएस के युवाओ ने लिया है और इस वाटिका को हराभरा करना है ।

पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया सभी ने पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस दौरान वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व हरित वातावरण का आधार बनेगी।न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम ने पौधारोपण को एक सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने की अपील की।

अनंत चतुर्दशी पर धूमधाम के साथ विदा हुए गणपति

अमरपुर। जनपद मुख्यालय अमरपुर के विभिन्न स्थानों पर गणेशोत्सव पावन पर्व के शुभअवसर पर प्रथम पूज्य श्री गणेश की आकर्षण प्रतिमाओं का स्थापना की गई थी। जोकि गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी यानी पिछले 10 दिनों तक उत्साह एवं उमंग और भक्ति के साथ चले श्री गणेश उत्सव का समापन हवन पूजन और विभिन्न कार्यक्रमों के बीच हो गया। श्री गणेश उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी शनिवार को मुख्यालय सहित आसपास के गांव रामगढ़, अलोनी नांदा, परसेल, कमरासोढ़ा, बिजौरी, बरसिंघा, चांदपुर, भाखा, देवरी, चौरा सहित अनेक ग्रामों में गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी जैसे नारों के बीच विभिन्न समितियां ने भगवान श्री गणेश की आकर्षण प्रतिमाओं को ट्रैक, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक आदि वाहनों से रखकर झांकियां निकाली। मुख्यालय की सभी समितियां ने गणेश प्रतिमा पूरे नगर भ्रमण कराकर विसर्जन के लिए खरमेर नदी ले गए। जहां दोपहर से लेकर देर रात तक प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। गणेश विसर्जन के दौरान पुलिस व्यवस्था की चाक चौबंद रही। श्रद्धालु भक्त शांति, सद्भावना के साथ हर्ष उल्लास और भक्तिमय वातावरण में परंपरागत ढंग से प्रतिमाओं का विसर्जन कर रहे थे। दोपहर बाद से गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के अलावा जय गणेश, जय गणेश उद्घोष गूंजने लगे थे। ट्रैक, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक आदि पर श्रद्धालुओं गण अपनी आकर्षक भव्य प्रतिमाओं को लेकर चल दिए थे। वहीं पर उत्साहित नवयुवकों ने डीजे तथा बैंड बाजा पर परंपरागत चिर प्रतिद्वंद्वी शैली में डांस कर एक दूसरे को गुलाल से सराबोर कर दिए और झांकियां बनाकर गणपति जी की प्रतिमा को विसर्जन के लेकर में नदी तक लाया गया। जहां पूजा पाठ व आरती कर प्रतिमाओं को विसर्जन कर दिया गया।

एमएसजी एकेडमी सक्का में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को भेंट किए उपहार

अमरपुर।

विकासखंड अमरपुर अंतर्गत एमएसजी एकेडमी सक्का में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने शिक्षकों के साथ केक काटकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन मनाया गया। उन्होंने शिक्षक का रोल भी अदा किया और बच्चों की क्लास ली। शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें गिफ्ट देकर सम्मानित किया। एमएसजी एकेडमी सक्का स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर बच्चों ने खुद शिक्षक बन छात्रों की क्लास ली। शिक्षक दिवस को लेकर बच्चों में बहुत उत्साह रहा। इस दौरान शिक्षकों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। बच्चों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। बच्चों ने भी शिक्षकों का सम्मान करते हुए उन्हें पेन आदि गिफ्ट किया। शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए अध्यापक का रोल अदा करने वाले छात्रों को उपहार देकर सम्मानित किया। शिक्षक दिवस शिक्षकों को समर्पित यह दिन खासतौर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में मनाया जाता हैं। जिनका जन्म 5 सितंबर वर्ष 1888 में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन के 40 साल एक शिक्षक के रूप में देश को समर्पित किए थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ शिक्षक मौजूद रहे।

अमरकंटक में संत मंडल की बैठक संपन्न

पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा दीपोत्सव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अमरकंटक के श्री गीता स्वाध्याय आश्रम में संत मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के सभी प्रमुख आश्रमों के संतों ने भाग लिया। इस बैठक में आगामी दीपोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी अमरकंटक में दीपोत्सव का पर्व बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

दीपोत्सव के कार्यक्रम

सामूहिक दीप प्रज्वलन': नर्मदा नदी के तट पर और सभी आश्रमों में लाखों दीपक जलाए जाएंगे, जिससे पूरे अमरकंटक में एक अलौकिक दृश्य उत्पन्न होगा। भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम': विभिन्न आश्रमों और मंदिरों में भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रवचन और सत्संग': संत-महात्माओं द्वारा दीपोत्सव के महत्व और आध्यात्मिक संदेशों पर प्रवचन दिए जाएंगे। प्रसाद वितरण': दीपोत्सव के दौरान प्रसाद वितरित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद मिलेगा।

दीपोत्सव का उद्देश्य

दीपोत्सव का उद्देश्य सिर्फ पर्व मनाना नहीं, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। अमरकंटक संत मंडल ने सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है।

आयोजन की तैयारी

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आश्रमों और स्थानीय प्रशासन का सहयोग लिया जा रहा है। दीपोत्सव के दौरान सुरक्षा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद के साथ-साथ एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का भी अनुभव कर सकें। यह रहे उपस्थित - स्वामी नर्मदानंद महाराज श्री गीता स्वाध्याय आश्रम स्वामी लवलीन महाराज धारकुंडी आश्रम स्वामी नर्मदानंद महाराज शंकराचार्य आश्रम अमरकंटक स्वामी बरखा पुरी महाराज कैलाश पुरी आश्रम राम नरेश शास्त्री मार्कंडेय आश्रम गणेश पाण्डेय श्रीयंत्र आश्रम ओमप्रकाश अग्रवाल बाल्मीकि जैसवाल दिनेश साहू शिव खैरवार श्रवण उपाध्याय उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू एवं अमरकंटक के सभी संत महात्मा उपस्थित रहे। दीपोत्सव अमरकंटक की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है और इसे सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। इस पावन पर्व में भाग लेकर श्रद्धालु आध्यात्मिक चेतना और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने में अपना योगदान दे सकते हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 8 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

धरोहर को संरक्षित करना हम सबकी जिम्मेदारी: श्री पटेल

निर्माण कार्य हेतु 12 लाख रूपए देने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

निश्चित तौर पर धरोहर को संरक्षित करना हम सबकी जिम्मेदारी है नरसिंह मंदिर नगर और पूरे जिले की आस्था और पहचान का प्रतीक है।

जरूरत है कि यहां पर जनसहयोग से श्रद्धालुओं के विस्तार के लिए हो रहे कार्यों में सहयोग करें। उक्त विचार पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने नरसिंह मंदिर परिसर में गणेश उत्सव के दौरान श्री मित्र गणेश मंडल द्वारा नरसिंह मंदिर परिसर में आयोजित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में व्यक्त किए। श्री पटेल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से नरसिंह मंदिर में निश्चित तौर पर श्रद्धालु के आने की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है नरसिंह मंदिर ट्रस्ट भी पूरी आस्था और निष्ठा से कार्य कर रहा है।

12 लाख रूपए देने की घोषणा

श्री पटेल ने मंदिर परिसर में जन सहयोग से चल रहे निर्माण कार्यों के लिए 12 लाख रुपए की राशि क्षेत्रीय

विधायक एवं प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल की विधायक निधि से देने की घोषणा करते हुए कहा कि मंदिर की मरम्मत और पुताई के लिए वे कार्य कराएंगे। पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने कवि सम्मेलन में आए कवियों और मंदिर में सेवा देने वालों को सम्मानित किया। नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज ने कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। अतिथियों का स्वागत श्री मित्र गणेश मंडल के संयोजक विनीत श्रीवास्तव छोटू मुंशी ने किया।

भजन संध्या कार्यक्रम सम्पन्न

नरसिंह बाग के राज नरसिंह मंदिर गणेश

उत्सव समीति द्वारा गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में बुंदेली लोकगीत गायक जित्तू खरे द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ रही लोगों द्वारा कार्यक्रम का जमकर लुप्त उठाया गया। उक्त मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अजीत ठाकुर, पार्षद नीलकमल जैन, संतोष चैकसे, एवं राघवेंद्र सिंह जाट, भगवान पटेल, राकेश नेमा के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद थे। वहीं दूसरे दिन यहां पर बुंदेलखंड राही गायक जित्तू खरे और उनके साथियों ने प्रस्तुति दी।

खबर संक्षेप

विसर्जन हेतु गणेशजी की भव्य शोभायात्रा

गोटेगांव। विगत दिवस स्थानीय नगर एवं आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश उत्सव समितियों द्वारा दस दिनों तक चलने वाले धार्मिक कार्यक्रमों के लिए सुसज्जित आकर्षक कलात्मक साज सज्जा से बनाए हुए पंडालों में रिद्धि सिद्धि के दाता विघ्नहर्ता मंगलकर्ता भगवान श्री गणेशजी को पूर्ण विधि विधान से विराजमान कर भक्तिभाव श्रद्धा के साथ पूजनअर्चन आरती वंदन कर विभिन्न सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ साथ प्रतिदिन भंडारा प्रसाद वितरण का आयोजन करने के पश्चात दसवें दिन पूर्ण विधि-विधान मंत्रोच्चारणके साथ पूजनअर्चन आरती वंदन हवन करने के उपरांत प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेशजी की भव्य शोभायात्रा धूमधाम हर्षोल्लास के साथ नगर के विभिन्न मार्गों पर गाजे-बाजे ढोल धमाके के साथ नाचते गाते जय गणेश जय गणेश गणपति बप्पा मोरिया अब के बरस तू जल्दी आ के नारो से नगर को गुंजायमान करते हुए विभिन्न अखाड़े समितियों द्वारा शोभायात्रा के आगेआगे शानदार कलाओं का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अखाड़े के कलाकारों द्वारा किए गए हैरतअंगेज प्रदर्शन को देख कर श्रद्धालुबंधु अचंभित हो गए, विघ्नहर्ता मंगलकर्ता भगवान श्री गणेशजी की प्रतिमाएं विसर्जन स्थल बकतला तालाब पहुंची, जहां पर पूर्ण विधि विधान के साथ विघ्न विनाशक भगवान श्री गणेशजी की पूजनअर्चन आरती वंदन करने के बाद प्रतिमाजी का कुंड में विसर्जन किया गया, इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती देवंतीपरते तहसीलदार नीरज तखरिया सीएमओ सत्येंद्र शालवार एसडीओपी मनीष त्रिपाठी थाना प्रभारी पंकज सराफ सहित नगरपालिका परिषद राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा विशेष सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम में सहयोग सराहनीय रहा...

श्रीधाम के राजा को 56 भोग अर्पित कर महाआरती की

गोटेगांव। विगत दिवस नया बस स्टैंड स्थित विराजमान श्रीधाम का राजा गणेश उत्सव समिति द्वारा प्रथम पूज्य श्री गणेशजी को 56 भोग अर्पित कर महाआरती किए जाने के पश्चात समिति के सभी वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया ! साथ ही महाआरती किए जाने के उपरांत भजन मंडली के कलाकार रामनारायण पटेल जगदीश पटेल सुशील महाराज एवं उनकी टीम के द्वारा धार्मिक भजनों की अनुपम प्रस्तुति दी गई जिसमें उपस्थित श्रद्धालु भक्तों ने भजनों का आनंद उठाते हुए झूमते गाते भक्तिमय वातावरण में श्रीधाम के राजा को अर्पित किया 56 भोग महाप्रसाद वितरण किया एवं समिति से जुड़े राजा फुल्की वालों के द्वारा 2000 फुल्की अपने काउंटर से पंडाल स्थल पर श्रद्धालु भक्तजनों को प्रसाद के रूप में खिलाई वहीं समिति द्वारा युवा टोली का गठन किया गया! महाआरती में श्रद्धालु बंधु बड़ी संख्या में मातृशक्ति के साथ-साथ नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही, एवं श्रीधाम के राजा गणेश उत्सव समिति के समस्त सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे !

मेल नर्सिंग ऑफिसर को न्याय दिलाने कर्मचारीयों ने सौंपा ज्ञापन

गोटेगाँव। विगतदिवस शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चिकित्सा अधिकारी एस एस धुर्वे के नेतृत्व में न्याय की गुहार लगाते हुए थाना गोटेगांव पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई हैं कि इलाज कराने आई युवती द्वारा पुरुष नर्सिंग ऑफिसर रोहित सेन के खिलाफ झूठा प्रकरण दर्ज कराया गया हैं जिसकी निष्पक्ष जांच कि जाए, एवं न्याय दिया जाए। इसी सम्बन्ध में मेडिकल ऑफिसर एस एस धुर्वे के नेतृत्व में समस्त स्टॉफ ने न्याय कि मांग करते हुए थाना प्रभारी को एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें उल्लेखित कर बताया कि गोटेगांव शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार रात सीने में दर्द की शिकायत लेकर बरोदा निवासी एक युवती अनुषा आत्मज महेंद्र उईके जांच कराने आई थी, जांच के बाद युवती ने पुरुष नर्सिंग ऑफिसर रोहित सेन पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

नर्मदा में गणेश विसर्जन हेतु गया युवक डूबा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले भर में शनिवार से गणेश प्रतिमा विसर्जन का सिलासिला जारी था भक्तों द्वारा हवन पूजन के साथ गणेश प्रतिमाओं का चल समारोह निकाल कर विसर्जित किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से विसर्जन के लिए कुण्ड बनाए गए है वही कुछ भक्तों द्वारा नदियों मे ही विसर्जित किया जा रहा है। इसी प्रकार नर्मदा नदी के सतधारा बरमान मे गणेश विसर्जन हेतु गया युवक डूब गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोहित छीपा पिता बबलू छीपा उम्र 25 वर्ष निवासी करेली शनिवार रात नर्मदा नदी के सतधारा घाट पर गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूब गया। घटना को 24 घंटे होने को है लेकिन मोहित का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मोहित विसर्जन में सहयोग करने के लिए नदी में उतरा था। सतधारा घाट पर चिकनी मिट्टी के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। वह गहरे पानी में चला गया। घटना के समय मंडल के अन्य सदस्य भी घाट पर मौजूद थे। हादसे की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन 24 घंटे बाद भी मोहित का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मोहित के पिता बबलू छीपा और परिजन सतधारा घाट पर मौजूद हैं। पूरे इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन और बचाव टीमें लगातार खोज अभियान चला रही हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने लोगों से संयम बनाए रखने और सहयोग की अपील की है।

यज्ञ, महाआरती व प्रसादी वितरण के साथ वैदिक अनुष्ठान सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में अनंत चतुर्दशी को सनातन वैदिक अनुष्ठान का समापन हुआ। इसमें पिछले ग्यारह दिवस की तरह प्रातरू अभिषेक, पीठ पूजन, यज्ञ, महाआरती व भोग प्रसाद वितरण गणनायक वेलफेयर सोसाइटी ने किया गया। धार्मिक परिधान पहनकर बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लेकर पुण्य अर्जित किया। सर्वे भवंतु सुखिना, सर्वे संतु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यंति, मां कश्चिद दुख भाग भवेत। के पवित्र भाव से प्रथम पूज्य की प्रसन्नता व भक्तों के कल्याण के लिए सिद्धपीठ के संस्थापक पं कृष्णकुमार पुरोहित द्वारा आरंभ परंपरा जारी है। उपस्थित यजमानों ने सनातन धर्म व समाज कल्याण के लिए जयकारे किए।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न होने के कारण अतिथि शिक्षकों का काटा जा रहा मानदेय

तेंदूखेड़ा

विगत 16 - 17 वर्षों से अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होते चला जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के द्वारा घोषणा की गई थी कि चुनाव के बाद स्थाई नीति बनाकर अतिथि शिक्षकों का नियमितीकरण किया जाएगा। लेकिन विधानसभा संपन्न हो जाने के बाद भी अतिथि शिक्षकों का शोषण जारी है। प्रदेश की मोहन सरकार के शिक्षा विभाग में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हमारे शिक्षक ऐप का सहारा लिया जा रहा है। ऑनलाइन उपस्थित अन्य किसी विभाग में क्रियान्वित नहीं हो सकी है। शैक्षणिक सत्र 2025 26 में इस बार अतिथि शिक्षकों की ज्वाइनिंग प्रक्रिया जुलाई माह से ही प्रारंभ हो गई है अब दो माह के उपरांत जब वेतन देने की बात आई तो ई अटेंडेंस ना लगाने वाले उन सभी अतिथि शिक्षकों का वेतन काटा जा रहा है। जबकि दूसरी और शिक्षा विभाग में कार्यरत अन्य शिक्षकों को जो सुविधा प्रदान की जा रही है उन सभी सुविधाओं का लाभ अतिथि शिक्षकों को नहीं दिया गया है। केवल ई अटेंडेंस प्रक्रिया को अतिथि शिक्षकों पर थोपा जा रहा है। ज्ञात हो कि रेग्युलर शिक्षकों को मातृत्व अवकाश साल में 13 अवकाश अनुकंपा नियुक्ति मेडिकल तथा बीमा आदि की व्यवस्था रेगुलर शिक्षकों के लिए प्रदान की जाती है। परंतु ई अटेंडेंस न लगाने के कारण सिर्फ अतिथि शिक्षकों को ही वेतन से वंचित रखा जा रहा है। नियमित शिक्षकों पर यह प्रक्रिया नहीं है।जिससे अतिथि शिक्षकों में रोष देखने को मिल रहा है। अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील परिहार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि शासन दोहरे मापदंड से कार्य कर रहा है।इसका जीता जागता उदाहरण अतिथि शिक्षकों के साथ देखने को मिल रहा है।

शिक्षा मंत्री ने की है घोषणा नहीं कटेगा वेतन - एक और जहां शिक्षा मंत्री स्वयं घोषणा करते हैं कि दो माह तक किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं रोका जाएगा ई अटेंडेंस का अभी ट्रायल चल रहा है यह पूर्णत लागू नहीं हो पाई है। वहीं विभागीय अधिकारियों द्वारा नीति बनाकर अतिथि शिक्षकों का जमकर शोषण किया जा रहा है। ज्ञात हो कि अतिथि शिक्षकों द्वारा अपने न्यूनतम मानदेय पर बेहतर काम किया जा रहा है। शिक्षक दिवस पर अतिथि शिक्षकों को काफी उम्मीदें लगाई गई थी कि उनके लिए कोई सार्थक पहल होगी लेकिन इस विषय में एक भी शब्द मंच के द्वारा नहीं बोला गया ।इससे अतिथि शिक्षकों चिंता की लकीरें साफ देखने को मिल रही है। प्रदेश अतिथि शिक्षक संघ के सदस्यों ने मांग की है कि हम लोगों द्वारा पूर्ण ईमानदारी से काम किया जा रहा है और यदि हम लोगों को दो माह का पूर्ण वेतन नहीं दिया जाता है तो हम लोग कलम बंद हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे इसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। शासन यह दोहरे मापदंड की नीति बंद करते हुए समान कार्य समान वेतन कार्य लागू करें। जिससे हम लोग भी पूर्ण ईमानदारी से कार्य कर सकें। वर्तमान में अतिथि शिक्षकों के जो बिल शाला प्रभारी द्वारा बनाए जा रहे हैं उसमें 1 जुलाई से लेकर 20 जुलाई तक संशोधन करने के लिए विकल्प तैयार किया गया है उसके उपरांत शेष 11 दिन जुलाई के और पूरा अगस्त माह का जहां पर अतिथि शिक्षकों के द्वारा किसी कारण बस नहीं ई अटेंडेंस नहीं लगाई गई है तो उन कार्य दिवसों का वेतन विभाग द्वारा अतिथि शिक्षकों को प्रदान नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा जो हमारे शिक्षक ऐप से इ अटेंडेंस लगाने के लिए अतिथि शिक्षकों को बाध्य किया जा रहा है। वह विसंगति पूर्ण है कई बार वह ऐप्स खुलता ही नहीं है।या सर्वर की समस्या के कारण सही तरीके से कार्य नहीं करता है। ऐसी विसंगति पूर्ण माहौल में भी अतिथि शिक्षकों पर सरकार द्वारा शोषण किया जा रहा है। अतिथि शिक्षकों ने मांग की है कि शीघ्र ही उनके हितों को ध्यान में रखते हुए न्याय किया जाये।

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कार्यकर्ताओं से की भेट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने रविवार को करेली स्थित सीताराम माल में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से भेंट कर आगामी सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की और कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है और हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर गांधी जयंती तक इस पखवाड़े को सेवा कार्यों के रूप में मनाना है श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का भाव लेकर पहुंचे सेवा पखवाड़े में स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन,प्रबुद्ध वर्ग संवाद,दिव्यांग जन एवं विशिष्ट जन सम्मान, लोकल फॉर वोकल, प्रधानमंत्री पर चयनित पुस्तकों का वितरण, विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता,विकास मैराथन जैसे कार्यक्रम इस पखवाड़े के दौरान प्रमुखता से किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें और जनता से संवाद स्थापित करें इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए प्रत्येक कार्य को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभा के अंत में संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा पखवाड़ा को सफल बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि पार्टी का हर संदेश जनता तक पहुंचे।

जैन समाज द्वारा निकाली गई संस्कार शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस दिगंबर जैन मंदिर कंदेली से श्री जी की विमान यात्रा, मुनि निर्दोषसागर, निर्लोभ सागर, निरूपम सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में जैन धर्मालम्बियों ने मुख्य सड़क से बाहरी रोड से होते हुये निकाली गई, फिर वापिस जैन मंदिर कंदेली, आकर सभी जैन धर्मालंबियों ने श्री जी का अभिषेक व आरती की रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने वालों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। पर्युषण पर्व 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक मंदिर जी में चैमास रत 108 मुनि निर्दोष सागर,निर्लोभसागर, निरूपम सागर जी महाराज के सानिध्य में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें संस्कार शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें संस्कार शिविर,संस्कार साधना शिविर ओर पर्व के विविध आयोजनों में श्रध्दालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया,इस भवसागर से पार होने की कामना की। क्षमा वाणी पर्व शिष्टाचार बनकर रह गया- निर्दोष सागर जी दशलक्षण पर्व के तत्काल बाद मनाया जाने वाला क्षमावाणी ऐसा महापर्व है जिसमें हम बैर-भाव को छोड कर एक-दूसरे से क्षमा याचना करते है,कंदेली स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में क्षमावाणी पर्व पर आयोजित धर्म सभा को अपने आर्शीवचन में निर्दोष सागर महाराज जी एवं निर्लोभसागर महाराज जी ने कहा की एक दूसरे के प्रति क्षमाभाव धारण करते हैं, इसे क्षमापना भी कहा जाता है मनोमालिन्य धो डालने में समर्थ यह महापर्व आज मात्र शिष्टाचार बन कर रह गया है यह बात नहीं की हम इसे उत्साह से न मनाते हो, ओर न ही हम इससे उदास हुए हैं। अपितु मात्र उत्साह से ही नहीं इसे अतिउत्साह से मनाते हैं। हम क्षमा तो मांगते हैं पर उनसे नहीं, जिनसे मांगना चाहिए, जिनके प्रति हमने अपराध किये हैं,अनजाने में ही नहीं,जान बूझ कर हमें पता भी है उनका अपराध कुछ भी नहीं जिनके प्रति न तो हमने कोई अपराध किये हैं ओर न जिन्होंने हमारे प्रति कोई अपराध किये है। आज क्षमा भी उसी से मांगी जाती है बताये जरा वास्तविकता में शत्रुओं से क्षमा कौन मांगता है उन्हें कौन-कौन क्षमावाणी के कार्ड डालते हैं क्षमा करने कराने के वास्तविक अधिकारी तो वे ही हैं। पर उन्हें कौन पूछता है क्षमा याचना जो कि एकदम व्यक्ति गत चीज थी आज बाजारू बन गयी है क्षमायाचना इतना महान कार्य है इतने पवित्र धर्म है जो जीव का जीवन बदल सकता है सही रूप में क्षमा करने क्षमा मांगने वाले का जीवन बदल जाता है पर ना मालूम आज का यह मनुष्य कैसा चिकना घडा हो गया है कि इस पर पानी ठहरता ही नहीं है इसकी कारी-कामरी पर दूसरा रंग चढता ही नहीं है।